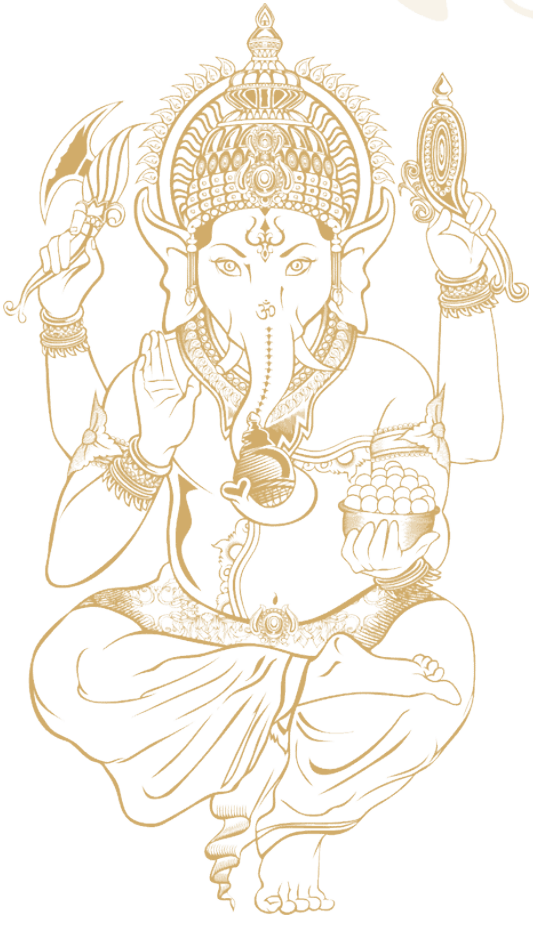

Rishu gupta

17 Feb 1994

03:00 AM

Kannauj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121456802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16-17/02/1994**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	50:33:12 घटी
स्थान	**Kannauj**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:04:00 उत्तर
रेखांश	79:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:49:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:09 घंटे
साम्पातिक काल	12:36:13 घंटे
सूर्योदय	06:46:43 घंटे
सूर्यास्त	18:02:29 घंटे
दिनमान	11:15:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	04:12:30 कुम्भ
लग्न के अंश	02:48:44 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीना
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:48:44	326:49:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	04:12:30	01:00:34	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	14:09:55	11:47:32	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	21:38:04	00:47:04	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध	व	अ	कुंभ	11:11:50	00:52:45	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			तुला	20:39:50	00:02:11	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	11:37:04	01:15:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	08:28:39	00:07:17	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	04:26:29	00:01:48	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	04:26:29	00:01:48	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			मक	00:29:16	00:03:06	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:23:19	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	04:14:50	00:00:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कन्या	16:04:50	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:46

लग्न-चलित

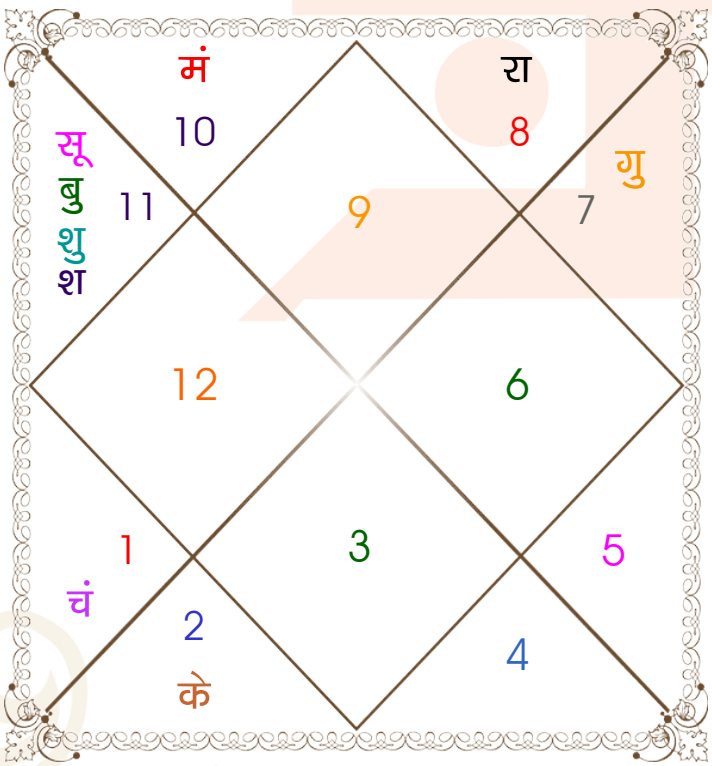

चन्द्र कुंडली

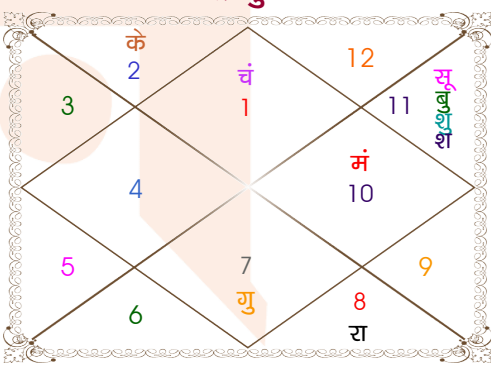

नवमांश कुंडली

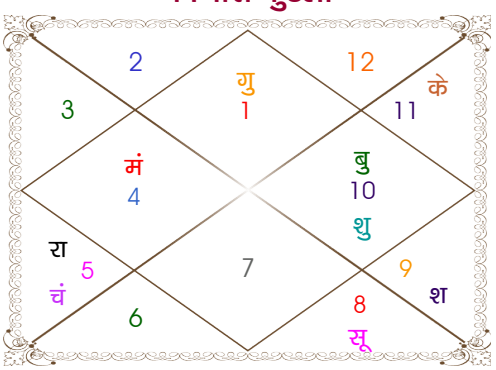

Mahrishi Dadhichi Jyotish Anusandhan Kendra
Whatsapp & phone +919664353859 9460248818
mukeshdadhich980@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 9 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/02/1994		18/11/2012		18/11/2018		18/11/2028		19/11/2035	
18/11/2012		18/11/2018		18/11/2028		19/11/2035		18/11/2053	
शुक्र	19/03/1996	सूर्य	07/03/2013	चंद्र	19/09/2019	मंगल	16/04/2029	राहु	01/08/2038
सूर्य	20/03/1997	चंद्र	06/09/2013	मंगल	19/04/2020	राहु	04/05/2030	गुरु	24/12/2040
चंद्र	18/11/1998	मंगल	12/01/2014	राहु	19/10/2021	गुरु	10/04/2031	शनि	31/10/2043
मंगल	18/01/2000	राहु	07/12/2014	गुरु	18/02/2023	शनि	19/05/2032	बुध	20/05/2046
राहु	18/01/2003	गुरु	25/09/2015	शनि	18/09/2024	बुध	16/05/2033	केतु	07/06/2047
गुरु	18/09/2005	शनि	06/09/2016	बुध	17/02/2026	केतु	13/10/2033	शुक्र	07/06/2050
शनि	18/11/2008	बुध	13/07/2017	केतु	18/09/2026	शुक्र	13/12/2034	सूर्य	02/05/2051
बुध	19/09/2011	केतु	18/11/2017	शुक्र	19/05/2028	सूर्य	20/04/2035	चंद्र	31/10/2052
केतु	18/11/2012	शुक्र	18/11/2018	सूर्य	18/11/2028	चंद्र	19/11/2035	मंगल	18/11/2053

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/11/2053		18/11/2069		18/11/2088		19/11/2105		19/11/2112	
18/11/2069		18/11/2088		19/11/2105		19/11/2112		00/00/0000	
गुरु	06/01/2056	शनि	21/11/2072	बुध	16/04/2091	केतु	17/04/2106	शुक्र	18/02/2114
शनि	20/07/2058	बुध	01/08/2075	केतु	13/04/2092	शुक्र	17/06/2107		00/00/0000
बुध	24/10/2060	केतु	09/09/2076	शुक्र	12/02/2095	सूर्य	23/10/2107		00/00/0000
केतु	30/09/2061	शुक्र	09/11/2079	सूर्य	19/12/2095	चंद्र	23/05/2108		00/00/0000
शुक्र	31/05/2064	सूर्य	21/10/2080	चंद्र	19/05/2097	मंगल	19/10/2108		00/00/0000
सूर्य	20/03/2065	चंद्र	23/05/2082	मंगल	17/05/2098	राहु	07/11/2109		00/00/0000
चंद्र	20/07/2066	मंगल	02/07/2083	राहु	04/12/2100	गुरु	14/10/2110		00/00/0000
मंगल	25/06/2067	राहु	08/05/2086	गुरु	12/03/2103	शनि	23/11/2111		00/00/0000
राहु	18/11/2069	गुरु	18/11/2088	शनि	19/11/2105	बुध	19/11/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 8 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।